***ॐ***

**~~~~~~~~~~~~**

# विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

**कक्षा-नवम्** **विषय- हिन्दी**

**दिनांक-03/06/2020** **क्षितिज-गद्य -खंड**

**~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~**

卐 **सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया** 卐

**शुभ प्रभात!**

आपका दिन अति मंगलमय बीते !

**"जीवन में यदि आनंद को लाना है तो कठिनाइयों को अपने जीवन में शामिल करें।"**

प्रिय बच्चों, खुशियों का हमारे जीवन में होना अति आवश्यक है, यह खुशियाँ तभी आती हैं जब हम कठिनाइयों का सामना करते हैं ।अभी की परिस्थिति में धैर्य एवं संयम से चलनेवाले व्यक्ति ही आनन्द को

अपने जीवन में शामिल कर सकते हैं ।जब तक हम कठिनाईयों से लड़ते नहीं,तब तक खुशियाँ हमारे दरवाजे पर दस्तक नहीं देती है ।इसलिए कठिनाइयों से भागें नहीं, उसका सामना करें। वास्तव में जीवन जीने का मजा तभी मिलेगा ।

आज की कक्षा में आप, पढ़े गए "ल्हासा की ओर" पाठ के प्रश्न-अभ्यास बनाएँ ।

**प्रश्न अभ्यास –**

1. **थोङ्ला के पहले के आखिरी गाँव पहुँचने पर भीखमंगे के वेश में होने के बावजूद लेखक को ठहरने के लिए उचित स्थान मिला जबकि दूसरी यात्रा के समय भद्र वेश भी उन्हें उचित स्थान नहीं दिला सका।क्यों?**
2. **उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था ?**

3. लेखक लड़्कोर के मार्ग में अपने साथियों से किस कारण पिछड़ गया ?
4. लेखक ने शेखर विहार में सुमति को उनके यजमानों के पास जाने से रोका, परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?
5. अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

छात्र कार्य-

उपरोक्त प्रश्न अभ्यास को अपनी उत्तर पुस्तिका में शुद्ध शुद्ध व सही-सही बनाएँ ।

शेष प्रश्न अगली कक्षा में ।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”